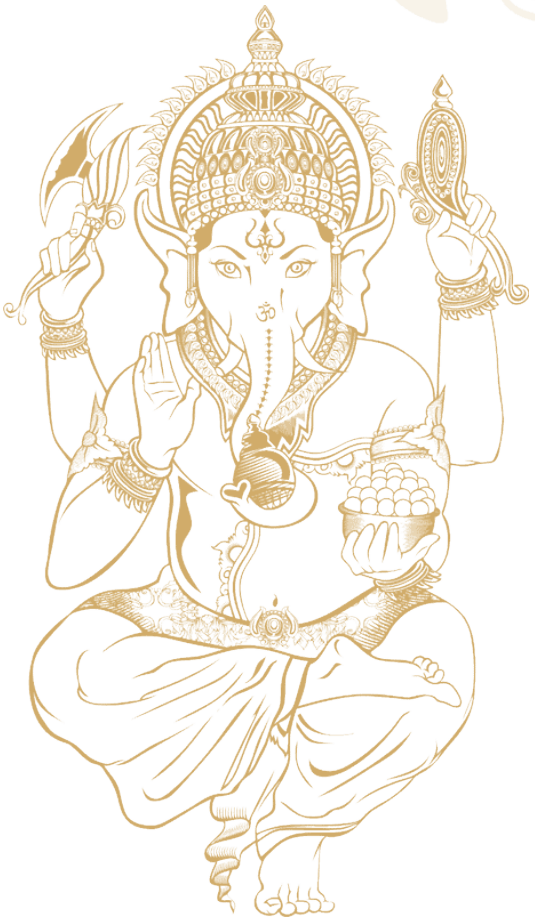

Yashika

22 Dec 1995

05:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121318105

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/12/1995**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**05:20:00 घंटे**
इष्ट	55:25:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:58:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:12 घंटे
साम्पातिक काल	10:59:10 घंटे
सूर्योदय	07:09:36 घंटे
सूर्यास्त	17:28:25 घंटे
दिनमान	10:18:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:50:19 धनु
लग्न के अंश	10:48:29 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	गण्ड
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	10:48:29	308:22:36	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
सूर्य			धनु	05:50:19	01:01:08	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	04:19:25	15:19:42	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	22:35:35	00:46:26	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	21:26:36	01:30:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु		अ	धनु	03:23:52	00:13:42	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शुक्र			मक	06:28:41	01:14:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	24:59:36	00:03:08	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	00:26:05	00:09:31	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	00:26:05	00:09:31	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
हर्ष			मक	04:59:54	00:03:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:30:52	00:02:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:47:58	00:02:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			सिंह	19:41:42	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:10

लग्न-चलित

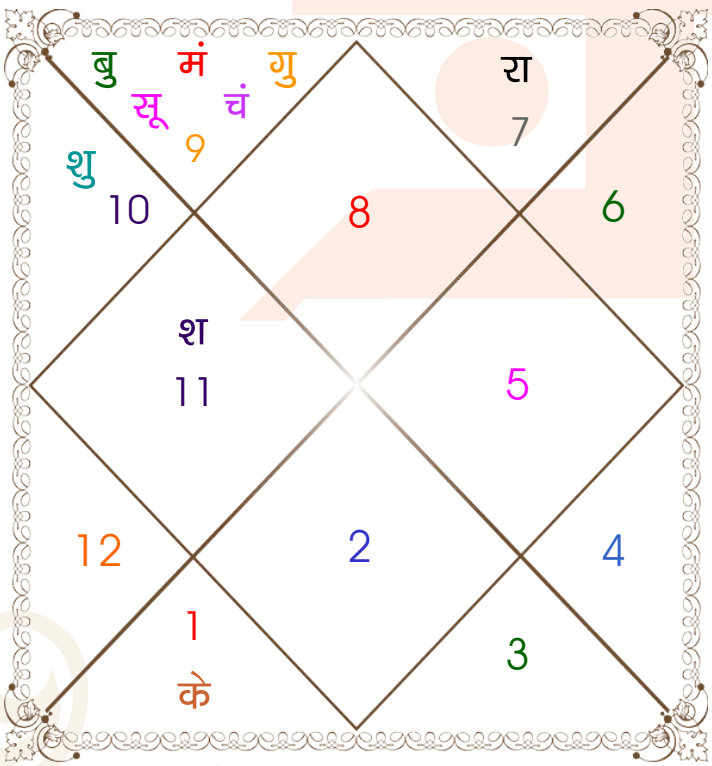

चन्द्र कुंडली

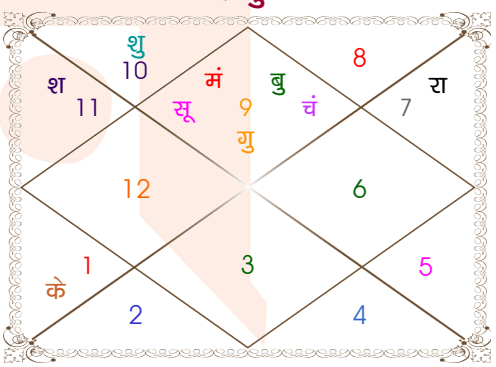

नवमांश कुंडली

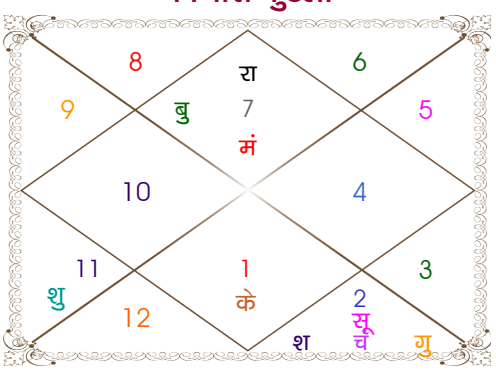

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 8 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/12/1995		13/09/2000		13/09/2020		14/09/2026		13/09/2036	
13/09/2000		13/09/2020		14/09/2026		13/09/2036		14/09/2043	
	00/00/0000	शुक्र	14/01/2004	सूर्य	01/01/2021	चंद्र	15/07/2027	मंगल	10/02/2037
	00/00/0000	सूर्य	13/01/2005	चंद्र	03/07/2021	मंगल	13/02/2028	राहु	28/02/2038
	22/12/1995	चंद्र	14/09/2006	मंगल	07/11/2021	राहु	14/08/2029	गुरु	04/02/2039
चंद्र	18/03/1996	मंगल	14/11/2007	राहु	02/10/2022	गुरु	14/12/2030	शनि	15/03/2040
मंगल	14/08/1996	राहु	14/11/2010	गुरु	21/07/2023	शनि	15/07/2032	बुध	12/03/2041
राहु	01/09/1997	गुरु	15/07/2013	शनि	02/07/2024	बुध	14/12/2033	केतु	08/08/2041
गुरु	08/08/1998	शनि	13/09/2016	बुध	09/05/2025	केतु	15/07/2034	शुक्र	08/10/2042
शनि	17/09/1999	बुध	15/07/2019	केतु	14/09/2025	शुक्र	15/03/2036	सूर्य	13/02/2043
बुध	13/09/2000	केतु	13/09/2020	शुक्र	14/09/2026	सूर्य	13/09/2036	चंद्र	14/09/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/09/2043		14/09/2061		14/09/2077		13/09/2096		15/09/2113	
14/09/2061		14/09/2077		13/09/2096		15/09/2113		00/00/0000	
राहु	27/05/2046	गुरु	02/11/2063	शनि	16/09/2080	बुध	10/02/2099	केतु	11/02/2114
गुरु	20/10/2048	शनि	15/05/2066	बुध	28/05/2083	केतु	07/02/2100	शुक्र	13/04/2115
शनि	27/08/2051	बुध	20/08/2068	केतु	05/07/2084	शुक्र	09/12/2102	सूर्य	19/08/2115
बुध	15/03/2054	केतु	27/07/2069	शुक्र	05/09/2087	सूर्य	16/10/2103	चंद्र	23/12/2115
केतु	03/04/2055	शुक्र	27/03/2072	सूर्य	17/08/2088	चंद्र	16/03/2105		00/00/0000
शुक्र	03/04/2058	सूर्य	13/01/2073	चंद्र	18/03/2090	मंगल	13/03/2106		00/00/0000
सूर्य	25/02/2059	चंद्र	15/05/2074	मंगल	27/04/2091	राहु	30/09/2108		00/00/0000
चंद्र	26/08/2060	मंगल	21/04/2075	राहु	03/03/2094	गुरु	06/01/2111		00/00/0000
मंगल	14/09/2061	राहु	14/09/2077	गुरु	13/09/2096	शनि	15/09/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 8 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगी। आपमें धूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकती हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगी। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकती हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेती हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानती हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझती। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेती हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देती। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनती हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगती हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेती है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करती रहती हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकती हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकती हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकती हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देती हैं। आप अपने प्यारे पति एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहती हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहती हैं। आप

अपनी जीवन संगी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म बृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा बृष राशि में हुआ है वह जीवन संगी आपके लिए अच्छा रहेगा। तब आप उस पति को अपने योग्य चयन कर सकती हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकती हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।